पेननिसुलर रॉक 'अगम'

हाल ही में, **भारतीय वज्ञिान संस्थान (IISc),** बंगलूरु के शोधकर्त्ताओं द्वारा उन वभिन्नि पर्यावरणीय कारकों (शहरीकरण सहति) को समझने के लयि एक अध्ययन कयिा गया है जो पेननिसुलर **रॉक अगम/दक्षणि भारतीय अगम** की उपस्थतिि को प्रभावति कर सकते हैं।

पेननिसुलर रॉक अगम:

- **परचिय:**
  - **पेननिसुलर रॉक अगम (वैज्ञानकि नाम– समोफलिस डॉर्सालसि)** एक प्रकार की उद्यान छपिकली है, जसिकी उपस्थतिि **दक्षणिी भारत में मुख्य** रूप से देखी जा सकती है।
  - इस **छपिकली का आकार अपेक्षाकृत रूप से बड़ा** है, जो नारंगी और काले रंग की होती है।
  - ये अपने शरीर से ऊष्मा उत्पन्न करने में सक्षम नहीं होती हैं, इसलयि **इन्हें बाह्य स्रोतों जैसे सूर्य के प्रकाश से गर्म चट्टानों अथवा मैदानों से ऊष्मा** प्राप्त करनी पड़ती है।
- **भूगोल:**
  - यह मुख्य रूप से भारत (एशयिा) में पाई जाती है।
    - भारतीय राज्य **तमलिनाडु, छत्तीसगढ़, केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बहिार** छपिकली की बहुतायत आबादी देखी जाती है।
- **प्राकृतकि वास:**
  - यह प्रीकोशयिल **प्रजाति** के अंतर्गत आता है।
    - प्रीकोशयिल प्रजातयिाँ वे हैं जनिमें जन्म के क्षण से ही अपेक्षाकृत परपिक्व और घूमने-फरिने में सक्षम होते हैं।
- **सुरक्षा की स्थति:**
  - IUCN रेड लसि्ट : कम चतिनीय
  - वन्य जीवों एवं वनस्पतयिों की लुप्तप्राय प्रजातयिों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन : लागू नहीं
  - वन्यजीव संरक्षण अधनियिम, 1972 : लागू नहीं

छपिकली के बारे में:

- रॉक अगम संकेत कर सकती है कि शहर के कौन से हसि्से गर्म हो रहे हैं और उनकी संख्या बताती है कि खाद्य जाल कैसे बदल रहा है।
  - छपिकलयिों को बाहरी स्रोतों जैसे गर्म चट्टान या दीवार पर धूप वाले स्थान से गर्मी की तलाश होती है क्योंकि वे अपने शरीर से गर्मी उत्पन्न नहीं करती हैं।
- ये छपिकलयिाँ कीड़े खाती हैं तथा स्वयं रैप्टर, साँप और कुत्तों द्वारा खा ली जाती हैं, वे उन जगहों पर नहीं रह सकतीं जहाँ कीड़े नहीं होते हैं।

- **कीड़े** स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के **महत्त्वपूर्ण घटक हैं** क्योंकि वे **परागण** सहित कई सेवाएँ प्रदान करते हैं।
- इसलिये रॉक अगमों की उपस्थिति पारिस्थितिकी तंत्र के अन्य पहलुओं को समझने हेतु महत्त्वपूर्ण मॉडल प्रणाली प्रस्तुत करता है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/peninsular-rock-agama